भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1945

जिसका उत्तर 11.12.2025 को दिया जाना है

एडापल्ली जंक्शन पर दो फ्लाईओवर-सह-अंडरपास का निर्माण

1945. श्री हैबी ईडन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर एडापल्ली जंक्शन पर अभी भी गंभीर यातायात जाम की स्थिति बनी हुई है;

(ख) क्या एडापल्ली जंक्शन पर दो फ्लाईओवर-सह-अंडरपास के निर्माण की प्रस्तावित योजना से पुराने यातायात जाम की समस्या कम होगी;

(ग) क्या एडापल्ली जंक्शन पर दोहरे फ्लाईओवर का निर्माण अपेक्षित समय-सीमा के अनुसार पूरा हो जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार विशेषकर एडापल्ली जैसे प्रमुख जंक्शनों पर वास्तविक समय में यातायात आवागमन की निगरानी और प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) को लागू करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार की एर्नाकुलम जिले के अन्य अत्यधिक भीड़भाड़ वाले शहरी चौराहों पर भी इसी प्रकार के फ्लाईओवर-सह-अंडरपास मॉडल का अनुकरण करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) एडापल्ली जंक्शन दो राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) अर्थात एनएच-66 और एनएच-544 का एक संगम बिन्दु है। एनएच-66 के चौड़ीकरण की चल रही परियोजना में एडापल्ली जंक्शन पर यातायात जाम को कम करने और सुगमता के लिए 2 फ्लाईओवर (1 x 50 मीटर) का प्रस्ताव किया गया है।

(ख) जी, हां। इन फ्लाईओवर का प्रस्ताव एडापल्ली जंक्शन पर यातायात जाम को कम करने के लिए है।

(ग) फ्लाईओवर का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है और संपर्क मार्ग निर्माणाधीन है, जिसके पूरी होने की निर्धारित संशोधित तिथि मई, 2026 तक है।

(घ) जी, हाँ। परियोजना के भाग के रूप में, यातायात सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के साथ ही इस खंड की वास्तविक समय में निगरानी के लिए रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार यातायात प्रबंधन प्रणाली संस्थापित किए जाएंगे।

(ङ) ग्रेड सेपरेटेड संरचना/एलिवेटेड कॉरिडोर/बाईपास/रिंग रोड आदि की अपेक्षा का कार्य स्थल की आवश्यकताओं के अनुसार आकलन किया जाता है और तत्संबंधी निवेश पर निर्णय लिया जाता है।

*****